[This question paper contains 6 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 5367 **G** **Your Roll No...............**

Unique Paper Code : 213551

Name of the Paper : Social Thought in Sanskrit Literature

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit Discipline**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Section A
(भाग 'क')

1. Explain two Mantras from each Unit **(four in total)** : (5×4=20)

प्रत्येक अन्विति से दो-दो मन्त्रों (कुल चार) की व्याख्या कीजिए :

अन्विति 1
(Unit 1)

(i) येन देवा न वियन्ति नो च विद्विषते मिथः।
तत्कृण्मो ब्रह्म वो गृहे संज्ञानं पुरुषेभ्यः॥

(ii) समानी व आकूतिः समाना हृदयानिवः ।

समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसहासति ।।

(iii) येनेदं भूतं भुवनं भविष्यत् परिगृहीतममृतेन सर्वम् ।

येन यज्ञस्तायते सप्तहोता तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु ।।

(iv) अनुव्रतः पितुः पुत्रो मात्रा भवतु संमनाः ।

जाया पत्ये मधुमतीं वाचं वदतु शन्तिवाम् ।।

अन्विति 2

(Unit 2)

(i) असुर्या नाम ते लोका अन्धेन तमसावृताः ।

ताँस्ते प्रेत्याभिगच्छन्ति ये के चात्महनो जनाः ।

(ii) तदेजति तन्नैजति तद्दूरे तद्वन्तिके ।

तदन्तरस्य सर्वस्य तदु सर्वस्यास्य बाह्यतः ।।

(iii) ये के चास्मच्छ्रेयांसो ब्राह्मणाः । तेषां त्वयासनेन प्रश्वसितव्यम् । श्रद्धया देयम् । अश्रद्धयाऽदेयम् । श्रिया देयम् । ह्रिया देयम् । भिया देयम् । संविदा देयम् । अथ यदि ते कर्मविचिकित्सा वा वृत्तविचिकित्सा वा स्यात् । यथा ते तत्र वर्तेरन् । तथा तत्र वर्तेथाः ।

(iv) स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम् । देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम् । मातृदेवो भव । पितृदेवो भव । आचार्यदेवो भव । अतिथिदेवा भव । यान्यनवद्यानि कर्माणि । तानि सेवितव्यानि । नो इतराणि । यान्यस्माकं सुचरितानि । तानि त्वयोपास्यानि । नो इतराणि ।

2. Write the summary of Samjñānasūkta in your own words. (8)

संज्ञानसूक्त के भाव को अपने शब्दों में लिखिए ।

(OR)

अथवा

Write about the teachings of the Guru to the pupil on the basis of the Taittirīyopaniṣad.

तैत्तिरीयोपनिषद् के आधार पर शिष्य को गुरु द्वारा दी गयी शिक्षा के विषय में लिखिये ।

Section B

(भाग 'ख')

3. Explain one verse from each unit **(two in total)** : (2×4=8)

प्रत्येक अन्विति से एक-एक (कुल दो) पद्यों की व्याख्या कीजिए :

Unit 1

(अन्विति 1)

(i) कस्य यास्याम्यहं वृत्तं केन वा स्वर्गमाप्नुयाम् ।
अनया वर्त्तमानोऽहं वृत्त्या हीनप्रतिज्ञया ।।

(ii) एक: पालयते लोकं एक: पालयते कुलम् ।
मज्जत्येको हि निरय एक: स्वर्गे महीयते ।।

Unit 2

(अन्विति 2)

(i) असद्भ्यो दीयते यत्तु तद् दानमिह भुज्यते ।
यादृशं दीयते दानं तादृशं फलमश्नुते ।।

(ii) माता गरीयसी यच्च तेनैतां मन्यते जनः ।

ज्येष्ठो भ्राता पितृसमो मृते पितरि भारत ।।

4. Describe the importance of Truth on the basis of Ayodhyākāṇḍa of the Rāmāyaṇa. (8)

रामायण के अयोध्याकाण्ड पर आधारित सत्य के महत्त्व को प्रतिपादित कीजिये ।

(OR)

अथवा

Write the substance of the Anuśāsanaparva of the Mahābhārata in your own words.

महाभारत के अनुशासनपर्व के सार को अपने शब्दों में लिखिये ।

Section C

(भाग 'ग')

5. Explain one verse from each unit **(two in total)** : (4+5=9)

प्रत्येक अन्विति से एक-एक (कुल दो) पद्यों की व्याख्या कीजिए :

Unit 1

(अन्विति 1)

(i) असत्यमप्रतिष्ठं ते जगदाहुरनीश्वरम् ।

अपरस्परसंभूतं किमन्यत् कामहैतुकम् ।।

(ii) अनेकचित्तविभ्रान्ता मोहजालसमावृताः ।

प्रसक्ताः कामभोगेषु पतन्ति नरकेऽशुचौ ।।

Unit 2

(अन्विति 2)

(i) वेद: स्मृति: सदाचार: स्वस्य च प्रियमात्मन: ।
एतच्चतुर्विधं प्राहु: साक्षाद्धर्मस्य लक्षणम् ।।

(ii) य: कश्चित्कस्यचिद्धर्मो मनुना परिकीर्तित: ।
स: सर्वोऽभिहितो वेदे सर्वज्ञानमयो हि स: ।।

6. Describe Samskāras as mentioned in the second chapter of Manusmṛti. (8)

मनुस्मृति के द्वितीयाध्याय में वर्णित संस्कारों का प्रतिपादन कीजिए ।

(OR)

अथवा

Describe the difference between Daivi Sampadā and Āsuri Sampadā as propounded in the sixteenth chapter of Srimad-Bhagvadgītā.

गीता के सोलहवें अध्याय के आधार पर दैवी सम्पदा और आसुरी सम्पदा में अन्तर बताइये ।

Section D

(भाग 'घ')

7. Describe the 'Āśrama-Vyavasthā' according to Smṛti texts. (14)

स्मृतिग्रन्थों के अनुसार 'आश्रम-व्यवस्था' का वर्णन कीजिए ।

(OR)

अथवा

Write notes on any **two** of the following : (2×7=14)

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए -

(i) पुरुषार्थ - चतुष्टय

(ii) उपनयन संस्कार

(iii) ब्रह्मचर्याश्रम

(iv) वर्ण एवं जाति में अन्तर